महत्वपूर्ण एवं खास

विदाई देते हुए हंगामे पर सांसदों को सुना गए मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पीएम मोदी ने बुधवार को राज्यसभा से विदा हो रहे सदस्यों पर सदन को संबोधित किया। पीएम ने जहां प्रफेसर कुरियन जैसे सदस्यों की विदाई के फेयरवेल संबोधन में जहां उनके कामों को याद किया वहीं उनपर तंज कसने का मौका भी नहीं चूके। पीएम ने कहा कि हम में से कुछ साथी अब इस अनुभव को लेकर समाजसेवा की अपनी भूमिका को और मजबूत करेंगे। पीएम मोदी ने सदन के गतिरोध पर तंज कसते हुए कहा कि बहुत लोग होंगे जिनकी आखिरी सत्र में इच्छा रही होगी कि ऐतिहासिक भाषण के साथ विदाई लें, लेकिन उन्हें यह मौका नहीं मिला।

आपको बता दें कि पिछले कई दिनों से राज्यसभा और लोकसभा, दोनों सदनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ती रही है। पीएम मोदी ने

राज्यसभा से विदा होने वाले सदस्यों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के ऊपरी सदन में कार्यकाल समाप्त होने वाल सदस्यों को विदाई दी।

हमम से कुछ साथी अब इस अनुभव को लेकर समाजसेवा की अपनी भूमिका को और मजबूत करेंगे। पीएम ने सदस्यों में कुरियन के अलावा दिलीप टर्की और सचिन का जिक्र और कहा कि उनकी कमी सदन में खलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रफेसर कुरियन और उनकी मुस्कुराहट ने संकट की घड़ी में भी सदन को चलाने में अहम भूमिका निभाई। पीएम ने कहा कि , बहुत लोग होंगे जिनकी आखिरी सत्र में इच्छा रही होगी कि वह कुछ ऐतिहासिक भाषण के साथ विदाई लें, लेकिन जाते-जाते यह सौभाग्य आप लोगों को नहीं मिले। उसके लिए हम सभी की जिम्मेदारी है। अच्छा तो यह होता कि जाने से पहले आपको महत्वपूर्ण निर्णय में उत्तम प्रकार की निभाकर कोई उत्तम चीजें छोड़कर जाने का अवसर मिल गया होता, तो आपको विशेष संतोष होता।

पीएम मोदी ने कहा कि कल तक लग रहा था कि जाने वाले सदस्यों को अपनी भावनाएं प्रकट करने का मौका नहीं मिल पाएगा। पीएम ने कहा कि इसके लिए चेयरमैन ने काफी मेहनत की, सबको साथ लेने का प्रयास किया। पीएम ने कहा कि इसके बावजूद ऐतिहासिक पलों में हिस्सेदारी निभाने से कुछ सदस्य चूक गए। पीएम ने ट्रिपल तलाक बिल का जिक्र करते हुए कहा कि ये सदस्य इस ऐतिहासिक निर्णय का हिस्सा नहीं बन पाए। उसकी कुछ न कुछ कसक आज नहीं तो 20-25 साल बाद जरूर रहेगी।

मार्च में ही पहाड़ों का पारा चढ़ा, आज लू चलने की चेतावनी

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में गर्मी की दस्तक होने के बाद मौसम ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है. आलम यह है कि शिमला जैसे ठंडे इलाके भी तपने लगे हैं. यहां भी पारा 25 डिग्री के पास पहुंचने लगा है. मार्च में ही गर्मी होने से लोग हैरान हैं.

मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के मैदानी और मध्य हिमाचल में लू चलने की चेतावनी दी है. मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने बुधवार को प्रदेश के मैदानी और मध्य पर्वतीय इलाकों में लू की चेतावनी दी है. वहीं, हिमाचल प्रदेश में बुधवार को पंजाब से सटे ऊना का पारा 36 डिग्री तक पहुंच गया. वहीं, पहाड़ों की रानी शिमला में भी अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री रिकार्ड किया गया.

अप्रैल के पहले हफ्ते तक मौसम में बदलाव नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, दो अप्रैल तक प्रदेश में मौसम ऐसा ही रहेगा. बारिश का अनुमान नहीं है. प्रदेश में और गर्मी बढ़ने के आसार हैं. मंगलवार को शिमला समेत तमाम इलाकों में धूप खिली रही.

प्रचंड धूप के चलते दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी हुई है. शिमला में मंगलवार को इस सीजन में सबसे अधिक तापमान 24.2 डिग्री दर्ज किया गया.

मानवाधिकार आयोग ने बिहार सरकार को भेजा नोटिस

पटना,(आरएनएस)। बिहार के आरा में हुए पत्रकार हत्याकांड को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव और राज्य पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है. मीडिया में आई खबरों पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने कहा कि 25 मार्च को हुई घटना पत्रकारों की सुरक्षा पर सवाल उठाती है.

बताया जाता है कि आरोपियों की पत्रकारों से कथित तौर पर बहस हुई थी, जिसमें उन्होंने पत्रकारों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी. इसके कुछ समय बाद ही पत्रकारों की बाइक की पूर्व ग्राम प्रधान की एसयूवी से टक्कर हुई और उससे कुचल कर दोनों की मौत हो गई.

द इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्ल्यूजे) ने घटना की निंदा की और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. बता दें कि 25 मार्च को देर शाम स्कॉर्पियो से रौंदकर नवीन और विजय सिंह की हत्या कर दी गई थी. हत्या का आरोप लगाते हुए गड़हनी के पूर्व मुखिया और उसके परिजनों पर एफआईआर दर्ज कराया गया था. हत्या के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क को जाम कर दिया था.

हत्या के आरोप में पूर्व मुखिया गिरफ्तार

हत्याकांड की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया है. सदर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी जांच करेगी. पटना से सीआईडी की टीम भी आरा भेजी गई थी.

काला हिरण शिकार मामले में सलमान को सजा होगी या नहीं? फैसला 5 अप्रैल को!

जोधपुर (आरएनएस) । बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में आरोपी फिल्म अभिनेता सलमान खान पर आगामी 5 अप्रैल को फैसला सुनाया जाएगा. आज इस मामले में सीजेएम ग्रामीण देवकुमार खत्री की कोर्ट में सुनवाई हुई. इसके बाद जज ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया. आज से 9 दिन बाद फैसला हो जाएगा कि सलमान को सजा होगी या नहीं?

जानकारी के मुताबिक, काला हिरण शिकार मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान, सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, सोनाली और तब्बु आरोपी हैं. इस मामले में आज अंतिम बहस हुई. इसके बाद सीजेएम ग्रामीण देवकुमार खत्री ने इन आरोपियों पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसे आगामी 5 अप्रैल को सुनाया जाएगा.

इससे पहले सलमान खान 4 जनवरी को सीजेएम ग्रामीण कोर्ट में पेश हुए थे. 19 साल पुराने काला हिरण शिकार मामले में सलमान जोधपुर में होने के कारण व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हुए थे. वो करीब 35 मिनट तक अदालत में रहे थे. पेशी के दौरान सलमान के वकील ने चश्मदीद गवाह पूनमचंद के गवाही की वीडियो सीडी अदालत में चलाई.

गवाह के बयान को देख सलमान भावुक हो गए ओर उनकी आंखें नम हो गई. इस दौरान अदालत में उनके चेहरे पर टेंशन भी साफ देखी गई थी. इस मामले में समय अभाव के कारण अंतिम बहस अधूरी रही. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जोधपुर जिला के पीठासीन अधिकारी देवकुमार खत्री की अदालत में कांकाणी शिकार मामले में बचाव पक्ष की अंतिम बहस चल रही थी.

सलमान के साथ उनके बॉडीगार्ड शेरा और एक अन्य व्यक्ति भी भी थे. जोधपुर पहुंचे सलमान ने ब्लैक कलर की शर्ट, जैकेट और ब्लू रंग की जींस पहनी थी. यहां सलमान शांत नजर आए. उनके अधिवक्ता हस्तीमल सारस्वत ने चश्मदीद गवाह पुनमचंद का वीडियो ग्राफी लैपटॉप पर मजिस्ट्रेट को दिखा कर अंतिम बहस की थी. सलमान के आंखों से आंसू निकल आए थे.

बताते चलें कि 1998 में जोधपुर में अपनी फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के दौरान सलमान खान पर काले हिरण का शिकार करने के आरोप लगे थे. इस केस में उनको गिरफ्तार भी किया गया था. सलमान के कमरे से पुलिस ने 22 सितंबर, 1998 को रिवॉल्वर और राइफल बरामद की थी.

बिहार में नालंदा के सिलाव तक पहुंची हिंसा की चिंगारी,150 लोग गिरफ्तार!

नालंदा (आरएनएस)। रामनवमी के मौके पर बिहार में फैली हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है. खबर है कि नालंदा के सिलाव में भी रामनवमी जुलूस के बाद दो पक्षों में तनाव हुआ. इस तनाव में दोनों पक्षों की ओर से पत्थर फेंके गए, जिसमें कई घायल हुए हैं. पुलिस ने भीड़ पर आंसू गैस के गोले छोड़े हैं. आपको बता दें कि 2004 में नीतीश कुमार नालंदा से सांसद रह चुके हैं.

आपको बता दें कि रामनवमी के अवसर पर जुलूस के दौरान बिहार के समस्तीपुर में भी दो गुट भिड़ गए थे. इसी के चलते भारी तादाद में पुलिस बल की तैनाती की गई थी.

गौरतलब है कि औरंगाबाद में भी रामनवमी की शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान हिंसा हुई थी. अब हालात नियंत्रण में हैं. लेकिन हालात की नजाकत को देखते हुए भारी पुलिस बल और तमाम आला अफसर अभी भी यहां डेरा डाले हुए हैं.

कैसे भड़की थी हिंसा?

दरअसल, सोमवार दोपहर बिहार के औरंगाबाद शहर के जामा मस्जिद इलाके से रामनवमी का जुलूस निकल रहा था. जुलूस में शामिल लोग डीजे पर नाच रहे थे. हाथों में लाठी और डंडे लहरा रहे थे. फिर कथित तौर पर इस जुलूस पर पथराव हुआ और फिर हिंसा भड़क गई. तीन दर्जन से ज्यादा दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया. सड़क पर गाड़ियों को आग लगा दी गई. पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ गया. आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को काबू करने की कोशिश हुई. लेकिन इसके बावजूद कम से कम दस लोग घायल हो गए. तीन लोगों को गोली लगी. एक की हालत गंभीर है. घायलों में दोनों संप्रदायों के लोग मौजूद हैं. पुलिस ने इस हिंसा के लिए दोनों पक्षों के तकरीबन 150 लोगों को गिरफ्तार किया है.

सपा-बसपा सर्कस के दो शेर, जो पलते हैं दूसरों के जूठन पर- योगी

लखनऊ (आरएनएस)। सपा-बसपा के गठबंधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तंज कसते हुए बुधवार को कहा कि विपक्ष सच्चाई को स्वीकार नहीं कर रहा है. सर्कस के शेर हो गए हैं. जैसे सर्कस के शेर दूसरों के जूठन पर पलते हैं और इसी में खुश रहते हैं कि उसे शिकार मिल रहा है. योगी ने इससे पहले सपा-बसपा गठबंधन को सांप छछूंदर की जोड़ी बताया था.

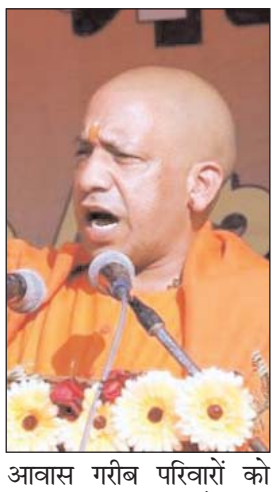

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बजट पर विपक्ष ने जो बातें कही हैं वो वास्तविकता से परे हैं. मैं ये नहीं समझ रहा हूं कि विपक्ष कैसे कह सकता है कि हमारा बजट विकास विरोधी है. 8 लाख 85 हजार आवास गरीब परिवारों को देना विकास विरोधी कैसे हो सकता है.

योगी ने कहा कि समाजवाद एक छलावे के अलावा कुछ नहीं है. उन्होंने कहा कि कुछ लोग आज कल सर्कस के शेर हो गए हैं. सीएम ने कहा कि सरकार ने सभी तबके का ख्याल रखकर ही बजट बनाया है. उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ा बजट है. केंद्र सरकार की योजनाओं को जोड़कर ये बजट बनाया गया है.

योगी ने कहा कि विपक्ष निराधार बात कर रहा है कि बजट का 20 फीसदी और 50 फीसदी ही खर्च किया है. उन्होंने कहा कि बिजली का 95 फीसदी ग्राम्य विकास और खाद्य का 100 प्रतिशत, सिंचाई का 88 फीसदी, चिकित्सा शिक्षा का 83 फीसदी और गृह विभाग का 100 बजट खर्च किया जा चुका है. इस सच्चाई को विपक्ष स्वीकार नहीं कर रहा है.

आधार डेटा का इस्तेमाल प्राइवेट कंपनियां अपने हित के लिए कर सकती हैं

सुप्रीम कोर्ट की चिंता

नई दिल्ली (आरएनएस)। आधार को अनिवार्य बनाने को लेकर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने डेटा लीक को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। बेंच ने आधार को लेकर खास तौर पर दो कमजोर कड़ियों का जिक्र किया। संवैधानिक पीठ में चल रही सुनवाई में बेंच ने कहा कि प्राइवेट ऑपरेटर आधार + के पंजीकरण के वक्त डेटा अपने पास कॉपी कर सकते हैं। साथ ही प्राइवेट कंपनियां जो आधार का प्लेटफॉर्म इस्तेमाल कर रही हैं, वो भी डेटा का गलत प्रयोग कर सकती है।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, आपके (सरकार) स्तर पर किए जानेवाले सुरक्षा उपाय यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं कि डेटा की चोरी को पूरी तरह से रोका जा सकेगा। मेरी चिंता डेटा का प्रयोग किसी गलत उद्देश्य को लेकर न हो यही है। कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा को लेकर हमारी दोनों प्रमुख चिंताओं में इस बात की आशंका है कि नागरिकों की निजी सूचनाओं का प्रयोग व्यावसायिक उपयोग के लिए किया जा सकता है।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने यूआईडीएआई टीफ से कहा, आधार के लिए दो स्तर पर प्रामाणिकता निश्चित करने की प्रक्रिया है। आप कह रहे हैं कि आप नागरिकों से ली गई जानकारी का प्रयोग किसी और काम के लिए नहीं करेंगे। डेटा कलेक्ट करने का काम निजी कंपनियों के हाथ में है और इस बात की पूरी संभावना है कि निजी कंपनियां अपने व्यावसायिक फायदे के लिए डेटा कॉपी कर लें।

यूआईडीएआई + प्रमुख अजय भूषण पांडे ने भी माना कि इस बात की संभावना है कि निजी कंपनियां डेटा कॉपी कर सकती हैं और उसका प्रयोग अपने फायदे के लिए कर सकती हैं।

कर्नाटक में राहुल द्रविड़ बने चुनाव आइकन

नई दिल्ली (आरएनएस)। कर्नाटक के विधानसभा चुनावों का ऐलान हो गया है। प्रदेश में 12 मई को वोट डाले जाएंगे, वहीं मतगणना 15 मई को होगी। राज्य में वोटिंग को बढ़ावा देने के लिए चुनाव आयोग ने पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ को चुनाव आइकन बनाया है। इसके अलावा दिव्यांग सरकारी कर्मचारियों को कुछ मतदान केंद्रो में मतदान कर्मी बनाने समेत नई पहलें की गई हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार के मुताबिक, राहुल द्रविड़ राज्य विधानसभा चुनाव के आइकन हैं। फिल्म एवं संगीत निदेशक योगराज भट एक शीर्षक गीत तैयार कर रहे हैं जो 2018 कर्नाटक चुनाव का गान होगा और इसे एक हफ्ते में रिलीज किया जाएगा। कुमार ने कहा कि कुछ ऐसे सरकारी कर्मचारी हैं जो दिव्यांग हैं।

वह चुनिंदा मतदान केंद्रों पर मतदानकर्मी के तौर पर चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे. हम उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि पूरी तरह से 450 महिला मतदान केंद्र बनाए जाएंगे.

केंद्र सरकार ने मांगी पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट

0-रानीगंज हिंसा : केंद्रीय बल देने की पेशकश की

नई दिल्ली (आरएनएस)। रामनवमी के दिन पश्चिम बंगाल के रानीगंज में हुई हिंसा पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से जवाब मांग है. गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से पिछले दो दिनों में हुई हिंसा और आगजनी से निपटने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं इस पर रिपोर्ट देने के लिए कहा है. राज्य की पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए गृह मंत्रालय ने कहा कि अब तक सरकार हिंसा को रोकने के लिए क्या काम कर रही है इसकी जानकारी किसी को नहीं है.

केंद्रीय पुलिस बल देने की पेशकश

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा है कि अगर हिंसा और आगजनी से निपटने के लिए केंद्रीय पुलिस बल की आवश्यकता है तो वह उनकी मदद ले सकती है. इसके साथ ही गृह मंत्रालय ने ममता बनर्जी से इस पूरे घटनाक्रम की जांच करवाने के लिए कहा है.

कैसे शुरू हुआ पूरा विवाद

जानकारी के मुताबिक रामनवमीं के दिन प्रशासन की ओर से रोक लगाने के बावूजद पुरुलिया जिले में कई लोगों ने धारदार हथियारों के साथ जुलूस निकाला था. रामनवमीं के दिन निकाली गई रैली मेंनाबालिग लड़के व लड़कियां भगवान राम का नाम जपते हुए तलवार व चाकू जैसे हथियार भांज रहे थे. इस जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई और इसने हिंसक घटना का रूप ले लिया. इस घटना में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी और 5 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे. रैली के बाद से ही प्रदेश के हालात बिगड़ते चले गए और प्रदेश में जगह-जगह हिंसा होने लगी..

बीजेपी- टीएमसी में झड़प

जानकारी के मुताबिक, 24 मार्च की रात भाजपा के कार्यकर्ता रामनवमी के लिए पंडाल तैयार कर रहे थे, तभी कुछ असमाजिक तत्वों ने उनके ऊपर हमला कर दिया.

विधायकों का वेतन वृद्धि विधेयक पारित, अप्रैल से लागू

केरल (आरएनएस)। मंत्रियों, विधायकों, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, विपक्ष के नेता और मुख्य सचेतक के वेतन तथा भत्ते बढ़ाने संबंधी एक विधेयक केरल विधानसभा में पारित हो गया। इससे वेतन तथा भत्तों में करीब दोगुना बढोतरी होगी।

यह विधेयक एक अप्रैल से प्रभावी होगा। इसके साथ ही मंत्रियों और अन्य के वेतन एवं भत्ते 55,000 से बढ़कर 90,500 रुपये हो जाएंगे और विधायकों के 39,500 से बढ़कर 70,000 रुपये हो जाएंगे।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जेएम जेम्स आयोग की सिफारिशों के तहत वेतन एवं भत्तों में बदलाव के लिए यह विधेयक लाया गया। इससे पहले वर्ष 2012 में वेतन एवं भत्तों में बढ़ोतरी की गई थी

केरल के नौ जिले सूखा प्रभावित

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। केरल सरकार ने नौ जिलों को सूखा प्रभावित घोषित करने का निर्णय लिया है। राज्य के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यहां जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कन्नूर, आलप्पुषा, इदुक्की, कासरगोड, कोझीकोडे, पल्लाड, वयनाड, त्रिशूर और मलप्पुरम को सूखा प्रभावित घोषित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एक बैठक में प्राधिकरण को इस बारे में निर्देश दिये कि जिलों में सतह और भूमिगत जल के अभाव, बारिश की कमी और खारे पानी को देखते हुए इसकी औपचारिक घोषणा की जाए।